क्या एक देश दूसरे देश से भूमि खरीद सकता है?

हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्रीनलैंड को खरीदने के अपने विचार को दोहराया है। क्या ऐसा संभव है?

कुछ बिंदु -

- ग्रीनलैंड फिलहाल डेनमार्क की संपत्ति है। जब यूरोपीय लोगों ने दुनियाभर में घूम-घूमकर भूमियों पर दावा किया था, यह उस दौरान डेनमार्क के कब्जे में आ गया था।
- अपने कब्जे वाले क्षेत्रों को बेचने के कई उदाहरण पहले भी मिलते रहे हैं। अलेक्जेंडर द्वितीय ने अलास्का अमेरिका को, नेपोलियन ने लुइसियाना को बेचा। उस समय इस खरीद-फरोख्त में मूल निवासियों की कोई भूमिका नहीं होती थी। लेकिन अब समय बदल गया है।
- अगर किसी कब्जे वाले क्षेत्र की 90% जनसंख्या इस प्रकार के सौदे के लिए आज तैयार होती है, तो यह लेन-देन अंतरराष्ट्रीय कानून में पूरी तरह से वैध है।
- ग्रीनलैंड में तांबा प्रचुर मात्रा में है। डेनमार्क इसे बेचना भी नहीं चाहता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के साथ स्वतंत्र और निष्पक्ष शर्तों पर अमेरिका इसे फिर भी खरीद सकता है।

यह एक अच्छी व्यवस्था कही जा सकती है। सरकार और जनता की सहमति से होने वाला इस प्रकार का लेन-देन दुनिया को अधिक शांतिपूर्ण, समृद्ध और मानवीय बना सकता है।

'द टाइम्स ऑफ इंडिया' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 27 दिसंबर, 2024